आकाशवाणी केन्द्र शिमला

8.07.2025 / 09:20बजे

प्रादेशिक समाचार

मौसम

प्रदेश के कुछ जिलों में बीती रात से मानसून की वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी है। राज्य में बीते 20 जून से सक्रिय मानसून की भारी वर्षा से भू–स्खलन और बादल फटने की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई जबकि 38 लोग अभी भी लापता है। हालांकि भारी वर्षा व बादल फटने जैसी घटनाओं से प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मानसून की भारी वर्षा से मंडी जिला सहित राज्य के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित प्रशासन की टीमें स्थानीय स्वयंसेवियों के सहयोग से लोगों तक जरूरी सामग्री व दवाइयां पहुंचाने के कार्य में लगातार जुटी हुई है। इसके अलावा पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए ड्रोन और भारतीय हवाई सेना के हैलीकाप्टरों की भी सहायता ली जा रही है। ड्रोन के माध्यम से लापता लोगों की तलाश जारी है। प्राकृतिक आपदा से सबसे अधिक प्रभावित मंडी जिला में अब तक 20 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि 31 लोग अभी भी लापता हैं। प्रदेश में 235 सड़कों पर अभी भी यातायात बंद है। जबकि 163 बिजली ट्रांसफार्मरों को क्षति पहुंचने से विद्युत आपूर्ति बाधित है। इसके अलावा 174 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हैं। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान राज्य के 8 जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आज वर्षा प्रभावित मंडी जिला के सराज दौरे के दौरान प्रभावितों से भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ऊना जिला के गगरेट में बांस प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ताकि ऊना के साथ कांगड़ा, बिलासपुर व हमीरपुर के किसानों को इसके बेहतर मूल्य प्रदान किए जा सके। शिमला में प्रदेश वन विकास निगम के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने निगम की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक का समावेश और सभी टिंबर गोदामों में बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए।

पेयजल

भारी बारिश के चलते पेयजल योजनाओं में गाद आने से शिमला शहर में पानी का संकट गहरा गया है। शिमला शहरी विधायक हरीश जनारथा ने पेयजल कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में बैठक कर मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और ढली व पीटरहॉफ में बने दो बड़े पानी के टैंकों से पानी की सप्लाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक गिरि व गुम्मा परियोजना से पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाती तब तक इन टैंकों के माध्यम से शहरवासियों को पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

मणिमेहश यात्रा

चंबा जिला की पवित्र व धार्मिक मणिमहेश यात्रा के दृष्टिगत 15 से 30 जुलाई तक हड़सर से मणिमहेश डलझील तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल मार्ग की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य को पुर्नस्थापित करना है बल्कि सतत पर्यटन और प्रभावी कचरा प्रबंधन की आदतों को भी प्रोत्साहित करना है।

और अब सुर्खिया समाचार पत्रों से

आज अधिकतर अखबारों ने मानसून की वर्षा से हुए नुक्सान की खबर को प्रमुखता दी है। दैनिक जागरण बतौर मुख्यमंत्री लिखता है अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने से हो रहा अधिक नुक्सान। अमर उजाला का शीर्षक है नदी–नालों से 100 मीटर दूर लगेंगे सरकारी प्रोजैक्ट, खुलेगा राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान।

दैनिक भास्कर लिखता है सी आई डी करेगी बाढ़ में बहकर पंडोह डैम पहुंची इमारती लकड़ियों की जांच। पंजाब केसरी व आपका फैसला का एक जैसा शीर्षक है बादल फटने की घटनाओं पर अध्ययन की आवश्यकता।

हिमाचल दस्तक की एक खबर है फोरलेन निर्माण में खतरे की जद में आए मकानों को ठीक करेगी एन एच ए आई।